फुल स्टॉप - 46

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **तो इतनी शक्ति है या आर्डर करो समेटने की शक्ति को और काम करे विस्तार की शक्ति! स्टाप कहा और स्टाप हो जाए। फुल ब्रेक लगे, ढीली ब्रेक नहीं।** अगर ब्रेक ढीली होती है तो लगाते हैं यहाँ और लगेगी कहाँ? तो ब्रेक पावरफुल हो।

➳ _ ➳ कण्ट्रोलिंग पावर हो। चेक करो - कितने समय के बाद ब्रेक लगता है? 5 मिनट के बाद या 10 मिनट के बाद। फुलस्टाप तो सेकण्ड में लगना चाहिए ना! **अगर सेकण्ड के सिवाए ज़्यादा समय लग जाता है तो समाने की शक्ति कमज़ोर है। बहुत जन्म विस्तार में जाने की आदत पड़ी हुई है।**

➳ _ ➳ **इसलिए विस्तार में बहुत जल्दी चले जाते हैं लेकिन ब्रेक लगाने वा समेटने में टाइम लग जाता है। तो टाइम नहीं लगना चाहिए। क्योंकि बापदादा ने सुनाया है - लास्ट में फ़ाइनल पेपर का क्वेश्चन ही यह होगा - सेकण्ड में फुलस्टाप, यही क्वेश्चन आयेगा। इसी में ही नम्बर मिलेंगे।**

➳ _ ➳ तो इम्तिहान में पास होने के लिए तैयार हो? सेकण्ड से ज़्यादा हो गया तो फेल हो जायेंगे। **तो टाइम भी बता रहे हैं - 'एक सेकण्ड और क्वेश्चन भी सुना रहे। हैं - और कोई याद नहीं आये बस फुलस्टाप'। एक बाप और मैं, तीसरी कोई बात नहीं। यह कर लँ, यह देख लँ.....यह हुआ, नहीं हुआ। यह क्यों हुआ, यह क्या हुआ - कोई बात आई तो फेल।**

➳ _ ➳ यह क्वेश्चन सहज है या मुश्किल? बाप क्वेश्चन भी सुना रहे हैं, टाइम भी बता रहे हैं, फिर भी देखो कितने नम्बर बन जाते हैं। कहाँ 8 दाने का पहला नम्बर और कहाँ 16,000 का लास्ट नम्बर! कितना फर्क हुआ! **क्वेश्चन सेकण्ड का वही होगा - पहले नम्बर के लिए भी तो 16,000 के लास्ट नम्बर वाले के लिए भी क्वेश्चन एक ही होगा।**

➳ _ ➳ और कितने समय से सुना रहे हैं? तो सभी नम्बरवन आने चाहिए ना! **इसी को ही अपने यादगार में 'नष्टोमोहा स्मृतिस्वरूप' कहा है।. (15.11.1989)**

➢ **<u>समाने की शक्ति</u>**

➳_ ➳ **फुल स्टॉप लगाने के लिये समाने की शक्ति की आवश्यकता है**

→ **पांचो ही तत्व समाने की शक्ति के प्रतीक है**

- **आसमान**
  - कभी भेदभाव नहीं करता
  - की इस धुएं को मैं नहीं समाऊंगा
  - उस धुएं को समाऊंगा
  - जो भी होता है, सब कुछ अपने में समा लेता है

- **सागर**
  - सागर में भिन्न भिन्न यहा वहा से नदियाँ आ रही है
  - कोई शुध्ध है, कोई अशुध्द है
  - कोई किस रंग की है
  - सारी नदिया आकर के सागर में समा जाती है
  - जो भी डालो सब कुछ सागर अपने में समा लेता है
- **हवा**
  - सब कुछ अपने में समा लेती है
- **धरती**
  - कितना भी बोज धरो उस पे
  - सब कुछ अपने में समाती जाती है
- **अग्नि**
  - इसको नहीं जलाऊंगी
  - उसको नहीं जलाऊंगी
  - ऐसा भेदभाव नहीं करती है
  - कुछ भी डालो सब कुछ जला देती है

➢ **समाने की शक्ति अपने में किस किस को समाती है ?**

➳_ ➳ दिनचर्या में जो भी होता है वह **सब कुछ** हमे अपने में समाना है

→ **और सबको समाना है**

- **व्यक्ति**
- **परिस्थिति**
- **बातें**
  - इन सबको समाना है

➳_ ➳ **व्यक्ति**

→ हर व्यक्ति के **विचार** को समाना है

- उनको ACCEPT करना है
  - ACCEPTANCE
  - ACCOMMODATION
  - ADJUSTMENT

→ हर व्यक्ति के **बोल** को समाना है

→ हर व्यक्ति के **व्यवहार** को समाना है

→ हर व्यक्ति की **मत** को समाना है

→ हर व्यक्ति के **स्वभाव** को समाना है

→ हर व्यक्ति के **संस्कार** को समाना है

→ हर व्यक्ति के **कर्म और उसकी RESULT** को समाना है

→ हर व्यक्ति की **आदतों** को समाना है

- जो दुखदाई है
- जो पीड़ादायक है
- जो कष्ट दायक है
- बोलते ऐसा है

→ हर व्यक्ति की **निंदा** को समाना है

→ हर व्यक्ति की **ग्लानी** को समाना है

→ हर व्यक्ति के **अपमान** को समाना है

→ हर व्यक्ति के **विरोध** को समाना है

→ हर व्यक्ति की **स्तुति** को समाना है

→ हर व्यक्ति की **प्रशंशा** को समाना है

➳_ ➳ परिस्थिति

→ जब जब बाते आयेगी

→ जब जब प्रतिकुल परिस्थितिया आयेगी

- जीवन में ऐसी बहुत से परिस्थितिया आयेगी
- जिसमे हमे ADJUST होना ही पड़ेगा
- अगर उस परिस्थिति को हमने ACCOMODATE नहीं किया
  - तो अंत में दुखी हम ही होंगे
- जिस परिस्थिति को मैं बदल ही नहीं सकता
  - जो हमारे द्वारा आई ही नहीं है
  - बहार से आई है
  - जो मेरे हाथ में ही नहीं है
  - जिस पर हमारा वश ही नहीं है
  - हमे रहना उसी स्थान पर है
  - उन्ही लोगो के साथ रहना है
  - आसपास वाले लोग है, उनको अपने अंदर समाना है
- जहा हम कुछ भी नहीं कर सकते है
  - वहा समाने की शक्ति का प्रयोग करना है
  - उस परिस्थिति को समा लेना है
- प्रति पल कुछ न कुछ होता ही रहता है
  - हमे पल पल को समाना है

➳_ ➳ बातें

→ हजारो बातें होती रहती है रोज की दिनचर्या में

- उन सभी बातो को अपने में समाना है

➢ **समाने की शक्ति अपने में कब कब समाना है ?**

➳_ ➳ हर पल / प्रति पल इधर हमे अपने में सब कुछ समाना ही है

→ क्युकी कुछ न कुछ तो होता ही रहता है

→ जब जब बाते आयेगी

→ जब जब प्रतिकुल परिस्थितिया आयेगी

- कोई न कोई तो सामने आता ही रहता है
  - तो हर समय समाके रहना है

➢ **समाने के लिये कौन कौन सी चीजो की आवश्यकता है ?**

➳_ ➳ **FLEXIBILITY**

→ किसी भी स्थान पर

→ किसी भी व्यक्तिओ के साथ

→ किसी की हमसे विचारधारा एकदम ही अलग हो

- उन सबके साथ हमे ADJUST होकर रहना है
  - समाना है अपने में

➳_ ➳ **ACCEPTANCE**

→ हर व्यक्ति को स्वीकार करना है

➳_ ➳ **LISTENING**

→ हमे सबके विचार को, बोल को, मत को सुनना है

➳_ ➳ **MERCY**

→ हमे सबके प्रति रहमदिल होकर के रहना है

- उनकी हर बात को अपने में समाना है
  - सबके प्रति दया भाव रखना है

➳_ ➳ **RESPECT**

→ किसी के प्रति अगर रेस्पेक्ट कम हो जाता है

- तो हम उसे ACCOMMODATE ही नहीं कर पाते है

➳_ ➳ **BROAD-MINDEDNESS**

→ कोई भी व्यक्ति को हमे OPENLY स्वीकार कर लेना है

- विशाल बुध्धि धारण करके देखना है
  - की हां यह व्यक्ति ऐसा है

➳_ ➳ **विशेषता को देखना**

→ EACH & EVERY SOUL IS UNIQUE

→ EACH & EVERY SOUL IS MASTER PIACE

- हरेक आत्मा अपने आप में विशेष है
  - सर्वश्रेष्ठ है

➢ समाने की शक्ति के फायदे क्या क्या है ?

- संगठन में एकता
- संबंधो में मधुरिमा
- गहरी सन्तुष्टता
- ख़ुशी
- वायुमंडल पावरफुल
- जिसको समा रहे है उसका दिल जीत सकते है
- दुआ मिलेगी
- संगठन निविग्न रहेगा
- हम भी निर्विग्न रहेंगे
- हमारी शक्ति बढ़ जाएगी